वागड़ संदेश

wagadsandesh.com

Tital Code : RAJHIN27802

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-94 सागवाड़ा, शुक्रवार,3 दिसम्बर, 2021 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

प्रेमी-प्रेमिका ने पेड़ से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया

परिवार शादी में रोड़ा बना, एक गौत्र के कारण दोनों के घरवाले थे खिलाफ, लड़की के पिता ने लगाया हत्या का आरोप

सीमलवाड़ा। डूंगरपुर में प्रेमी-प्रेमिका ने पेड़ से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया।धंबोला सीआई भैयालाल ने बताया कि टकारी गांव के रहने वाले विनोद (20) पुत्र भाती डामोर और निठाउवा की शोभना (18) पुत्री अर्जुन डामोर फंदे पर लटके मिले। दोनों के बीच 2 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। शादी करना चाहते थे लेकिन एक गोत्र होने के कारण परिवार राजी नहीं हुए। युवक के घर से करीब आधा किलोमीटर दूर खेतों के बीच नीम के पेड़ से लटककर जान दे दी।दोनों को लड़की के दुपट्टे से लटके मिले। एक ही गौत्र होने के कारण दोनों के परिवार वाले शादी को राजी नहीं थे। लड़की के पिता ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन देकर मामला शांत करवाया। इसके बाद शवों को उतारकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा।सीआई ने बताया कि युवक दो दिन पहले ही गुजरात से घर लौटा था। वह मजदूरी करता था। लड़की ने 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी। युवती गुरुवार शाम विनोद से मिलने उसके घर गई थी। दोनों साथ में घर से निकले थे। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिवार ने तलाश की। मगर कुछ पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह आस-पास के लोगों ने शव देखकर सूचना दी।

बेटी की हत्या कर शव लटकाने का आरोप

पेड़ से शव लटकने की सूचना पर धंबोला सीआई भैयालाल आंजना, सरथूना चौकी इंचार्ज राजाराम, निठाउवा सरपंच सूर्या देवी मौके पर पहुंची। दोनों के परिवार वाले मौके पर पहुंचे। लड़की के पिता अर्जुन डामोर ने हंगाम कर दिया। लड़के परिवार पर बेटी की हत्या कर शव को लटकाने का आरोप लगाया। पुलिस ने समझाइश कर मामले की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। शवों को सीमलवाड़ा हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। दोनों पक्षों की रिपोर्ट के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा गया।

मोहम्मदिया कॉलोनी के आस-पास के इलाके में कर्फ्यू

2 ओर महिलाएं कोरोना पॉजिटिव, 230 सैंपल लिए थे

गलियोकोट। सूरत से लौटी महिला के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद अब उसके संपर्क आई 2 और महिला पॉजिटिव आई है। दोनों महिला संक्रमित महिला के बेटे की शादी में भी शामिल हुई थी। 3 संक्रमित केस सामने आने के बाद प्रशासन ने मोहम्मदिया कॉलोनी के आस-पास के इलाके में कर्फ्यू लगा दिया है। सीएमएचओ डॉ.राजेश शर्मा ने बताया कि दो दिन पहले गलियाकोट के मोहम्मदिया कॉलोनी से एक महिला कोरोना पॉजिटिव आई थी। महिला 8 दिन पहले ही सूरत से अपने घर लौटी थी। 26-27 नवम्बर को बेटे की शादी भी करवाई। जिसमें 50 से ज्यादा लोग शामिल हुए थे। महिला पॉजिटिव आने के बाद इलाज के लिए सूरत हॉस्पिटल चली गई। स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को गलियाकोट मोहम्मदिया कॉलोनी में बड़े पैमाने पर सैंपलिंग करवाते हुए 230 सैंपल लिए थे। सैंपल की रिपोर्ट शुक्रवार देर शाम आई है। जिसमें मोहम्मदिया कॉलोनी की 2 ओर महिला संक्रमित पाई गई है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया।

गलियाकोट सीएचसी के डॉ. जाखड़ के साथ नर्सिंगकर्मियों की टीम संक्रमित महिलाओं के घरों पर पहुंची और दवाई देकर होम आइसोलेट किया। संक्रमित महिला के परिवार के सदस्यों के एक बार फिर सैम्पल लिए जाएंगे।गलियाकोट के मोहम्मदिया कॉलोनी में दो दिनों में 3 महिला कोरोना पॉजिटिव आने के बाद कर्फ्यू लगा दिया है। गलियाकोट एसडीएम विनीत सुखाड़िया ने शुक्रवार शाम को कर्फ्यू के आदेश जारी किए है।

कर्फ्यू क्षेत्र में दुकान, सब्जी वाले सभी को बंद रखा गया है ताकि संक्रमण आगे नहीं फैले। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में घर-घर सर्वे करते हुए संपर्क में आए लोगों की पहचान करते हुए दवाई दी जा रही है।

आसपुर पंचायत समिति में उप चुनाव 21 को

डूंगरपुर। पंचायत समिति आसपुर के पंचायत समिति सदस्य निर्वाचन क्षेत्र एक के उप चुनाव 21 दिसम्बर को होंगे। चुनाव को लेकर जिला प्रशासन व निर्वाचन विभाग तैयारियों में जुट गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ओला ने सीईओ जिला परिषद, रिटर्निंग अधिकारी (पंचायत) (एसडीएम) डूंगरपुर व आसपुर, तहसीलदार, आसपुर एवं बीडीओ पंचायत समिति आसपुर को चुनाव को लेकर निर्देश दिए है। राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के लिए आदर्श आचार संहिता जारी कर दी है। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर सुरेश कुमार ओला ने 21 दिसंबर को मतदान को लेकर क्षेत्र में पांच किलोमीटर के दायरे में 19 दिसम्बर शाम साढ़े 5 बजे से 21 दिसम्बर मतगणना खत्म होने तक सूखा दिवस घोषित किया है। पंचायत समिति आसपुर की ग्राम पंचायत देवला, मुंगेणा, करेलिया, ग्राम पंचायत गणेशपुर, टाटिया और गडा भाभा में सुखा दिवस रहेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर सुरेश कुमार ओला ने पंचायतीराज उप चुनाव के लिए 21 दिसंबर मंगलवार को मतदान दिवस के दिन अवकाश रहेगा। मतदान दलों के ठहरने और मतदान केन्द्रों की व्यवस्था करने के संबंध में एसडीएम को निर्देश दिए गए है। ग्राम पंचायत देवला एवं गणेशपुर में स्थित मतदान केन्द्रों पर व्यवस्था करने के निर्देश दिए है।

अखिल भारतीय रेबारी युवा सेवा सस्थान की बैठक

सागवाड़ा। अखिल भारतीय रेबारी युवा सेवा सस्थान के केन्द्रीय मेनेजिंग कमेटी और सभी जिला अधयक्ष और जिला सचिव की सयुंक्त बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष रतनजी लखावत और राष्ट्रीय सरक्षक सदस्य थानाजी आल की अध्यक्षता में आहुत की जा रही है। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव महेश गांगल लिमबोड छोटी ने बताया कि दिनाक 5 दिसम्बर रविवार को माहिपुल भैरवजी मदिर परिसर पाडला ढाणी में ठीक 12 बजे बैठक होगा। इस बैठक में इस वर्ष के शीतकालीन सेशन में युवा भविष्य निर्माण सेमिनार और खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित करने सहित सस्थान की विभिन्न सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा और आगामी कार्य की रुपरेखा तैयार की जायेगी।

कोविड टीकाकरण महाअभियान शनिवार से, 353 ग्राम पंचायतों पर होगा टीकाकरण

डूंगरपुर। कलेक्टर सुरेश कुमार ओला के नेतृत्व में प्रशासन व चिकित्सा विभाग द्वारा जिले में कोविड 19 टीकाकरण के अंतर्गत 353 ग्राम पंचात पर शनिवार को महाअभियान का आयोजन किया जा रहा है। कार्यवाहक सीएमएचओ डॉ विपिण मीणा ने बताया कि शनिवार को 353 ग्राम पपंचायतो पर महाअभियान आयोजित किया जाएगा। डॉ मीणा ने यह भी बताया कि काफी लम्बे अंतराल के बाद कोरोना ने डूँगरपुर मे दस्त दी है। यह संक्रमण आगे ना बढे और डूंगरपुर एक बार फिर से कोरोना मुक्त हो उसके लिए सावधानी रखने की अति आवश्यकता है।

आप सभी प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के कार्मिको को सहयोग करे हल्के लक्षण दिखने के साथ ही नजदीक के चिकित्सालय में डॉक्टर से सम्पर्क करते हुए अपनी जांच व उपचार करवाए साथ ही रिपोर्ट आने तक अपने आप को परिवार से थोडी दूरी रखते हुए सावधानी बरतें कोविड गाइडलाइन का पालन करे, लापरवाही ना करे। आपकी एक लापरवाही बडे खतरे को जन्म दे सकती है। आरसीएचओ डॉ कांति लाल पलात ने बताया कि जिन लोगों ने कोविड वैक्सीन की दूसरी डोज अभी तक नहीं लगवाई है, उन्हें अभियान चलाकर जागरूक किया जा रहा है, ताकि वैक्सीनेशन से कोरोना संक्रमण के खतरे को न्यूनतम किया जा सके और संक्रमण की गंभीर स्थिति से बचाव हो सके। जो लोग वैक्सीन नहीं लगवा रहे हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि उनकी लापरवाही से दूसरों को संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में टीके से वंचित लाभार्थी आगे आए और कोविड टीके की दोनो डोज लगा कर महाअभियान को सफल बनाए।

गौ आधारित कृषि से रसायन मुक्त हिंदुस्तान बने : के एन राघवन

सागवाड़ा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा विभाग के अखिल भारतीय प्रशिक्षण प्रमुख के एन राघवन ने बांसवाड़ा विभाग से आए गौपालकों और किसान कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण में रसायन मुक्त भारत बनाने के लिए गौ उत्पाद को बढ़ावा देना, गौ आधारित कृषि करने पर जोर दिया, साथ ही ग्रामीण युवाओं को जैविक कृषि से रोजगार पर बल दिया। गोवर्धन गौशाला संस्थान तलवाडा में संघ की अखिल भारतीय योजना अनुसार प्रत्येक गांव घर तक गोपालन एवं जैविक खेती पहुंचाने के उद्देश्य से गोपालकों एवं किसानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। के.ई राघवन अखिल भारतीय प्रशिक्षण प्रमुख, पन्नालाल शर्मा प्रान्त गौसेवा संयोजक, भवर सह प्रान्त गौसेवा संयोजक, ईश्वरदत्त गुप्ता प्रान्त आयाम प्रमुख के मार्गदर्शन में गौपूजन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ हुआ, उपस्थित वक्ताओं ने सभी से गौ वृत्ति अपनाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में जयंत द्विवेदी अध्यक्ष गौवर्धन गौशाला, किशन लाल मारू विभाग गौसेवा संयोजक, हरीश जी गौसेवा प्रचारक, नरेश कलाल जिला गौसेवा संयोजक, मयंक चौबीसा बांसवाड़ा नगर गौसेवा संयोजक,नटवर लाल कलाल सज्जनगढ़, भूपेंद्र जोशी सुन्दनपुर, महेश परमार, पवन बुनकर, पुंजालाल डिंडोर, कल्याण जी बागीदौरा वीरेंद्र पंवार जिला गौसेवा संयोजक सागवाड़ा, भुवन पंडया, भूरालाल जी तलवाडा सहित लगभग 100 गोपालक एवं कृषक उपस्थित रहे।

राजीव गांधी पेरा टीचर्स शिक्षाकर्मी और मदरसा पैरा टीचर्स के नियमितीकरण को लेकर पालिकाध्यक्ष ने लिखा पत्र

सागवाड़ा। नियमितीकरण की मांग को लेकर राजीव गांधी पेरा टीचर्स शिक्षाकर्मी और मदरसा पैरा टीचर्स ने नगरपालिका सागवाड़ा के अध्यक्ष नरेन्द्र खोडनिया को ज्ञापन सौंपा। पालिका अध्यक्ष खोडनिया ने इस संबंध में जिला कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश खोडनिया को पत्र लिख कर इनके नियमितीकरण की मांग की है। पालिकाध्यक्ष की ओर से जारी पत्र में बताया कि राजीव गांधी पैरा टीचर्स शिक्षाकर्मी और मदरसा पैरा टीचर्स की मांग पर उचित कार्यवाही की जाए। वर्ष1984 से शिक्षाकर्मी और 1994 से पेराटीचर्स अपनी सेवाएं स्कूल में दे रहे है। ये सरकार से जुड़े राष्ट्रीय कार्यक्रम में भी अपनी सेवाएं देते आ रहे है। चाहे बीएलओ का काम हो या फिर कोविड में ड्यूटी हो। इनका काम सराहनीय रहा है। इसके बाद भी इन्हें वर्तमान मे सिर्फ 9959 रुपए मानदेय मिल रहा है। इतने कम मानदेय में परिवार का पालन पोषण संभव नही है।

पूर्व विधायक बामणिया ने सेलोता शिविर में लिया भाग

सागवाड़ा। ग्राम पंचायत सेलोता में प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत शिविर आयोजित हुआ। शिविर में पूर्व विधायक सुरेन्द्रकुमार बामणिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा आमजन की सुविधाओं के लिए प्रशासन शहरो/गांवो के संग अभियान सार्थक सिद्ध हुआ जिसमें वर्षो से लंबित प्रकरणों का निपटारा एक ही स्थान पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर अब अंतिम चरणों मे है जिन लोगो के कार्य बाकी है वो अपने नजदीकी शिविरों में पहुंच कार्यो को पूरा करावे। शिविर में पट्टो व कृषि संयंत्रो का वितरण, टीकाकरण, वृद्धावस्था/विधवा पेंशन, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री आवासीय योजना सहित अनेक कार्य मौके पर पूरे किए गए। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला महामंत्री एडवोकेट कपिल भट्ट, उपखण्ड अधिकारी राजीव द्विवेदी, तहसीलदार मयूर शर्मा, सरपंच भूपेश कटारा, युवा नेता मगन मोर, जिला परिषद सदस्य हरीश अहारी, वार्ड पंच व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पेंशनर समाज कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह कल

सागवाड़ा। पेंशनर्स समाज की बैठक पेंशनर भवन में हुई। अध्यक्षता जीवनलाल पाटीदार ने की। विजयराम भावसार ने स्वागत किया।राजेन्द्र शुक्ला ने संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक में उपशाखा की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह कोरोना गाईड लाईन की पालना के साथ रविवार को दोपहर 3 बजे पेंशनर भवन में रखने का निर्णय लिया। इस दौरान अशोक रावल, विजय पंडया, मोहनलाल भट्ट, प्रकाश भट्ट, सुरेश रावल, भगवती लाल पंचाल मौजूद थे।

स्कूल के पास निकले 3 अजगर

7 से 12 फीट के 3 अजगर देखकर बच्चें डरे, वन विभाग ने पकड़कर जंगल में छोड़ा

बिछीवाड़ा। बिछीवाड़ा पंचायत समिति के प्राइमरी स्कूल में शुक्रवार दोपहर अजगर देखने को मिले। स्कूल के टॉयलेट के पास ही एक गड्ढे में अजगर को घुमते-फिरते बच्चों ने देखा। हेड मास्टर उमेशचंद्र त्रिवेदी और प्रताप कुमार बलाई ने आकर देखा तो 7 से 8 फ़ीट बड़े 2 अजगर घूम रहे थे। सूचना पर वनरक्षक धूलेश्वर पटेल, केटल गार्ड लक्ष्मणलाल व वनपाल मदनलाल मीणा मौके पर पंहुचे। गड्ढे में देखा तो 2 अजगर एक 7 फ़ीट लंबा और दूसरा करीब 8 फ़ीट लंबा था। वनकर्मियों ने दोनों अजगर को पकड़कर बाहर निकाला तो अंदर से एक तीसरा अजगर ओर निकला जो करीब 12 फ़ीट लंबा और मोटा था। काफी मशक्कत के बाद तीनों अजगर को पकड़कर वनकर्मी ले गए और जंगल में छोड़ा। हेड मास्टर ने बताया कि स्कूल का परकोटा नहीं है, जिस कारण कोई भी मवेशी या जानवर अंदर आ जाता है। तीनों अजगर स्कूल में बच्चों के टॉयलेट के पास ही मिले है। ऐसे में बच्चों को जानवरों से खतरा बना रहता है।

राहत- नगर पालिका 501 रुपए में दे रही 69ए का पट्टा

पालिकाध्यक्ष खोडनिया ने कहां सरकार के निर्देश पर आवासीय और मिश्रित पट्टे जारी किये जा रहे है

सागवाड़ा। राज्य सरकार ने प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 को मद्देनजर रखते हुए धारा 69ए में राहत दी है। धारा 69ए से जुड़े प्रकरणों का निस्तारण करने के लिए राज्य सरकार ने दिशा-निर्देश जारी करते हुए परकोटा क्षेत्र के निवासियों और पुरानी आबादी को बड़ी राहत प्रदान की है। सरकार ने प्रूफ ऑफ राइट का दायरा बढ़ाते हुए अब 1992 से पहले के बिजली पानी के बिल तक को प्रमाण माना है। पालिकाध्यक्ष नरेन्द्र खोडनिया ने बताया कि प्रशासन शहरों के संग अभियान में राज्य सरकार ने शहरवासियों को बड़ी राहत दी है। पालिकाध्यक्ष ने गहलोत सरकार के निर्देश पर धारा 69ए के तहत 501 रुपए में पट्टा दिया जा रहा है। सके तहत आवासीय और मिश्रित पट्टे जारी किये जा रहे है। इसका लाभ शहरवासियों को लेना चाहिए। नये नियम के तहत शहर का चारदीवारी आबादी क्षेत्र/सिटी-सर्वे क्षेत्र, नगरीय क्षेत्र के राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज गैर-मुमकिन आबादी भूमि, रियासतकालीन समय से राजा-महाराजाओं/ ठिकानेदारों की ओर से अपने स्वामित्व की गैर-कृषि भूमि पर बसाई हुई कॉलोनियां, ग्रामीण क्षेत्र कृषि भूमि रूपान्तरण नियम 1971, 1992, 2007 और नगरीय क्षेत्र कृषि भूमि रूपान्तरण नियम, 1981 के तहत जारी संपरिवर्तन आदेशों से संबंधित भूमि, राजस्व रिकॉर्ड में खातेदारी में अंकित गैर-कृषि भूमियां जिस पर निर्माण हो चुका है, ऐसी जमीनों को शामिल किया गया है। इस तरह की जमीनों का प्रूफ ऑफ राईट का निर्धारण किया गया है। जिसके तहत रियासतकालीन समय से राजा/जागीरदार/ ठिकानेदार की ओर से जारी किए गए पट्टे/ रजिस्ट्रीयां/ दानपत्र/ बक्शीसनामा/ बही पत्र/ उस समय के दूसरे कोई दस्तावेज या फिर राज्य अभिलेखागार/ जिला कलेक्टर के रिकॉर्ड से प्राप्त पट्टे व अन्य दस्तावेज, सिटी सर्वे रिपोर्ट, कस्टोडियन के पट्टे, स्टेट ग्रांट के पट्टे, पूर्व में निष्पादित बेचाननामा, पारिवारिक बंटवारानामा, वसीयत, यहां तक की 1992 से पहले की निर्माण स्वीकृति, बिजली/पानी के बिल, वोटर लिस्ट, हाउस टैक्स की रिसिप्ट तक को जमीन पर अधिकार का प्रमाण माना जाएगा।

लोक अदालत की भावना को मजबूत और सफल बनाने के लिए गंभीर प्रयास करें: निरंजन आर्य

जयपुर। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने राज्य सरकार के सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विभिन्न न्यायालयों में चल रहे मुकदमों को 11 दिसंबर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से सहमति के आधार पर निस्तारण के लिए विशेष तैयारी करें। उन्होंने कहा कि भारत की न्याय व्यवस्था में लोक अदालत एक बेहतरीन नवाचार है। विभागाध्यक्षों को लोक अदालत की भावना को मजबूत और सफल बनाने के लिए गंभीर प्रयास करने चाहिए, ताकि पीड़ितों को न्याय सुलभ हो सके। आर्य शुक्रवार को यहां शासन सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) के प्राधिकारियों तथा विभागों के सचिवों अथवा विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों को इसके लिए समस्त तैयारियां करनी चाहिए, ताकि अधिकाधिक संख्या में मामले निस्तारित हो सकें। कई बार छोटे-छोटे मामले वर्षों तक लंबित रहते हैं। लोक अदालत सरकार के साथ कार्मिकों-अधिकारियों और आमजन को न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या घटाने का यह अच्छा अवसर देती हैं। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी विभाग समय रहते लोक अदालत के दौरान निपटाए जा सकने वाले सभी मामलों को चिन्हित करें और उनकी सूचियां प्राधिकरण के साथ साझा करें। साथ ही, विभागीय प्रमुख अपने यहां राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर अदालती मामलों के प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर समझौते के माध्यम से निपटाए जाने योग्य प्रकरणों पर आवश्यक विचार विमर्श कर लें।